>

Title: Need to protect the standing crops from the menace of 'Neel Gai' in Uttar Pradesh and other parts of the country.

डॉ. निर्मल खत्री (फ़ैज़ाबाद): नील गाय, जिन्हें हमें नीला दैत्य या नील बैंघा (नीला बैल + घोड़ा) ही कहना उचित होगा। इनके आतंक से आज किसान परेशान है। फसलों को नष्ट कर रही, इनकी सेना/झुण्डों से अब फसल पर ही नहीं इंसानों पर भी हमले करने लगी हैं। दलहन-तिलहन की फसल उत्पादन में कमी का प्रमुख कारण यह जंगली जानवर बनते जा रहे हैं। यहां तक विभिन्न राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं का कारण भी इनके झुण्डों का अचानक सड़क पर आ जाना होता है।

गाय तो किसानों का पेट पालती हैं। अतः यह गाय की श्रेणी में तो हो ही नहीं सकते। अतःकेन्द्र सरकार राज्यों को यह निर्देशित कर कि इन नीला दैत्य (नील गाय) को मारने का किसानों को लाइसेंस दिया जाये या सरकार संरक्षण में इन्हें मारा जाये।